[redacted]

डॉ० सुधीर कुमार सिंह, प्राचार्य, रोहतास महिला कॉलेज सासाराम, ग्रामीण समाजशास्त्र, पत्र संख्या-IV बी०ए०(H), खण्ड-III

VIDYA

PAGE NO:. 01
DATE: / /

(5) पारिवारिक अहंमन्यता की प्रबलता (Dominance of Family Ego) – परिवार ही ग्रामीण सामाजिक संगठन की आधारशिला है। परिवार का प्रभाव सभी सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, शैक्षणिक और धार्मिक क्षेत्रों में देखा जा सकता है। ग्रामीण परिवार के सदस्यों में पारस्परिक आश्रितता एवं व्यक्तिगत रूप से परिवार पर निर्भरता नगरीय परिवारों की तुलना में अधिक पाई जाती है। इसके परिणामस्वरूप सदस्यों में परस्पर सहयोग और एकता पाई जाती है। परिवार में व्यक्तिगत भावना के स्थान पर सामूहिक चेतना पाई जाती है। परिवार के गौरव को व्यक्ति अपना गौरव समझता है। परिवार के किसी सदस्य द्वारा दूषित एवं निन्दनीय कार्य करने पर सारे परिवार की प्रतिष्ठा को आँच आती है। इसी प्रकार से परिवार के किसी सदस्य द्वारा प्रशंसनीय कार्य करने पर परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ जाती है।

(6) परिवार में पिता की सत्ता (Authority of Father in Family) – ग्रामीण परिवार अधिक संगठित और अनुशासित होता है क्योंकि

परिवार के मुखिया का सदस्यों पर अत्यधिक नियंत्रण होता है। एक प्रकार से उसकी परिवार में निरंकुश सत्ता होती है। परिवार का मुखिया पिता अथवा कोई अन्य वयोवृद्ध पुरुष होता है। वही परिवार में आयु व लिंग के आधार पर कार्यों का विभाजन करता है। परिवार के सदस्यों के विवाह का प्रबंध, सम्पत्ति की देख-रेख, शिक्षा, भरणपोषण आदि सभी कार्यों का भार उसी पर होता है। गाँव पंचायत और जाति पंचायत में मुखिया ही परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। पारिवारिक विवादों को भी वही तय करता है। देसाई लिखते हैं कि "परिवार के मुखिया को परिवार के शासक, पुरोहित, गुरु, शिक्षक तथा व्यवस्थापक होने की सत्ता और अधिकार रहे हैं।"

(7) विभिन्न कार्यों में घनिष्ठ सहभागिता – (Close Participation in Various Activities) – ग्रामीण परिवार के सदस्य कृषि कार्य अथवा कुटीर व्यवसाय में परस्पर सहयोग करते हैं। हर व्यक्ति अपनी योग्यता एवं क्षमता

वे अनुरागी कार्य को पूर्ण करने में प्रत्यक्ष योग देता है। इसके विपरीत नगरीय परिवार के सदस्य विभिन्न व्यवसाय में लगे होने के कारण अधिकांश समय घर से बाहर ही रहते हैं और बहुत ही कम समय के लिए परिवार में सभी सदस्य साथ-साथ रहते हैं उनके लिए तो परिवार रात्रि विश्राम स्थल ही है।